INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

WINTER HOLIDAYS' HOME WORK – HINDI (2017-2018)

CLASS – IX Topic–Reading Comprehension & Grammar

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

नोबेल पुरस्कार प्राप्त सर सी॰ वी॰ रमन भौतिक विज्ञान के प्रख्यात वैज्ञानिक थे। उन्हें अपने विभाग के लिए एक योग्य वैज्ञानिक की आवश्यकता थी। उन्होंने अख़बारों में विज्ञापन प्रकाशित करवाया, जिसे पढ़कर उनके पास कई आवेदन आए। सर सी॰ वी॰ रमन ने उनमें से कुछ का चयन किया और उन्हें साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया। साक्षात्कार के लिए आए लोगों में एक नवयुवक था, जिसे रमन ने अस्वीकार कर दिया। थोड़ी देर बाद जब साक्षात्कार समाप्त हो गया तो रमन ने ग़ौर किया कि वह नवयुवक अब भी उनके कार्यालय के आस-पास घूम रहा है। वे तत्काल उसके पास पहुँचे और नाराज़गी जताते हुए बोले, "जब मैंने तुम्हें अस्वीकार कर दिया है, तब तुम यहाँ क्यूँ घूम रहे हो ? यहाँ तुम्हें नौकरी नहीं मिलने वाली। जाओ, घर चले जाओ।" तब उस युवक ने विनम्रता से कहा, "सर, आप नाराज़ न हों। मुझे यहाँ आने-जाने का जो किराया दिया गया, वह भूल से कुछ अधिक है, इसलिए मैं यह अतिरिक्त राशि लौटाने के लिए कार्यालय के लिपिक को खोज रहा हूँ।" सर सी॰ वी॰ रमन उसकी बात सुनकर विस्मित हुए। फिर कुछ सोचकर बोले, "मैंने तुम्हारा चयन कर लिया है, तुम चरित्रवान हो। भौतिकी के ज्ञान में तुम कुछ कमज़ोर हो, जिसे मैं तुम्हें पढ़ाकर दूर कर सकता हूँ, किंतु चरित्रवान व्यक्ति पाना कठिन है।" वस्तुतः किसी भी नौकरी के लिए सर्वोपरि पात्रता ईमानदारी होती है, जो कर्मनिष्ठा और समर्पण को जन्म देती है। यही संबंधित संस्थान की प्रगति के लिए ज़रूरी है। ज्ञान की कमी को अध्ययन से दूर किया जा सकता है, किंतु चारित्रिक दुर्बलता संस्थान को हर प्रकार से हानि पहुँचाती है।

(क) सी॰ वी॰ रमन कौन थे और उन्हें नोबेल पुरस्कार किसमें मिला था ?

(ख) उन्हें किसकी आवश्यकता थी ? इसके लिए उन्होंने क्या किया ?

(ग) साक्षात्कार के लिए आए लोगों में से एक युवक कार्यालय के पास क्यों घूम रहा था ?

(घ) एक बार अस्वीकार करके भी रमन ने नवयुवक को क्यों चुना ?

(ङ) नौकरी के लिए सर्वोपरि पात्रता क्या होती है ?

(च) ज्ञान की कमी को कैसे दूर किया जा सकता है ? गद्यांश के लिए सर्वथा उपयुक्त शीर्षक सुझाइए।

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाकर लिखिए:–

(अ) माँ बोली दुःख के दिन बीत जाएँगे बेटा दिल इतना छोटा क्यों करता है धीरज से काम ले

(ब) नहीं माँ फ़िल्म नहीं देखी यह किताब ले आया देखो मैंने कहा

(स) मंत्री गंभीरतापूर्वक महाराज दीवार नहीं बकरी दब गई

(द) किसी लॉण्ड्री पर दे देते हैं जल्दी धुल जाएँगे मैंने कहा मन ही मन एक विश्वास पल रहा था कि तुम्हें जल्दी जाना है

(ई) एक आदमी बोला अरे इन लोगों का क्या है इनके लिए बेटा बेटी धर्म ईमान सब रोटी का टुकड़ा है

(अपठित बोध)

3.निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

बंधन छोड़ आज उड़ जाओ।
विहग ! मुक्ति का गाना गाओ।
अपनी ही इच्छा से हम तुम,
मुक्त और बंदी बन जाते,
अपने ही सुख-दुःख में भूले
नित्य स्वप्न के महल बनाते।।
अश्रु बिखेर चुके तुम अपने,
अब पल भर को मुसकाओ।
सागर के गर्जन को देखा,
देखा निर्झर का बहना,

मध्य निशा में देखा झिलमिल
तारों का भी कुछ कहना।
तुम भी अपने मधुर कंठ से
जीवन से भरा वह गीत सुनाओ।
आकुल कर देती है मुझको
अपने इस पथ की दुर्बलता।
घेरे रहती है प्राणों को
सदैव मेरे मन की ममता।।
दैन्य, निराशा दूर हटा
तुम सुख के भाव जगाओ।

(क) सुख के भाव कब जागते हैं ? वर्णन करें।

(ख) हमें मुक्त और बंदी कौन बनाता है तथा कैसे ?

(ग) कविता में किन-किन प्राकृतिक तत्त्वों का उल्लेख किया गया है ?

4. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व उपसर्ग को अलग-अलग करके लिखिए:–

प्रतिस्पर्धा, चिरस्थायी, परिहास, सजीव, अनुशासन, बदहज़मी, अभिनेता, बेगुनाह, प्रतिकूल, अवगुण, आगमन, अत्यंत।

5. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व प्रत्यय को अलग-अलग करके लिखिए:–

वास्तविक, जादूगर, स्वप्निल, बर्फ़ीला, कर्मठ, ज़रूरतमंद, अरुणिमा, शारीरिक, कहानीकार, दुकानदार, मानवता, मार्मिक।

6. निम्नलिखित शब्दों में संधि करके लिखिए:–

पितृ + आदेश, पूर्व + उक्त, मनः + अनुकूल, इति + आदि, काव्य + उत्सव, अनु + एषण, नाम + उल्लेख, सप्ताह + अंत,
कृष् + न, सम् + युक्त, सत् + जन, तत् + लीन, निः + कलंक, दुः + कर्म, निः + फल, भो + अन, लठ + एत, वि + आप्त।

7. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद करके लिखिए:–

प्रायश्चित, पावक, शास्त्रार्थ, अभ्युदय, जगदंबा, गुर्वाज्ञा, सत्योजस्वी, महर्षि, उपर्युक्त, नवांकुर, अभीष्ट, परीक्षा, अन्विति,
अहंकार, जगन्नाथ, यद्यपि, स्वच्छ, शोकाकुल, अत्याचार, वृक्षच्छाया, दिग्गज, गणेश, एकैक, दीक्षांत, रेखांकित, पूर्णेंदु।

8. निम्नलिखित शब्दों में उपयुक्त स्थान पर नुक्ते का प्रयोग करके लिखिए:–

जेवर, काफिला, फरेबी, खुदा, कानून, अखबार, खतरा, करीब, गदर, जनाजा, दिमाग, तरीका, गबन, फरियाद, मरीज,
फौलाद, खुशामद, फौज, फायदा, जज्बात, फीता, जंजीर, गम, जलील, फरामोश, चिराग, फसल, फिदा, कमजोर, जुल्म।